

भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4458
जिसका उत्तर 27 मार्च, 2025 को दिया जाना है।

.....
यमुना तट संबंधी पैनल

4458. प्रो. सौगत राय:

क्या जल शक्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या गत मानसून के मौसम में यमुना में आई बाढ़ से दिल्ली को बहुत परेशानी हुई है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या संबंधित प्राधिकरण जल स्तर बढ़ने के समय यमुना नदी के बैराज/शटरों का रखरखाव करने में विफल रहा है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है; और
- (ग) क्या सरकार ने भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचने के लिए यमुना तट की देखभाल के लिए कोई पैनल गठित किया है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री

श्री राज भूषण चौधरी

(क) और (ख): वर्ष 2024 के मानसून के दौरान, यमुना नदी से दिल्ली में बाढ़ की कोई सूचना नहीं मिली है। वर्ष 2023 के मानसून के दौरान, यमुना नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में भारी वर्षा के कारण नदी में भारी जल प्रवाह आया, जिसके कारण 6 सितंबर, 1978 को पुरानी दिल्ली रेलवे पुल, केंद्रीय जल आयोग के बाढ़ पूर्वानुमान स्थल पर 207.49 मीटर का एचएफएल दर्ज किया गया, जो 13 जुलाई 2023 को दर्ज किए गए 208.66 मीटर के नए एचएफएल से भी अधिक था।

वर्ष 2023 में अधिकतम प्रवाह के दौरान आईटीओ बैराज के कुछ गेट बंद रहे, जिससे बाढ़ और जल स्तर बढ़ गया।

(ग): जुलाई, 2023 के दौरान यमुना नदी में व्यापक बाढ़ के कारण, जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग, जल शक्ति मंत्रालय ने “हथिनीकुंड और ओखला बैराज के बीच यमुना नदी की पहुंच के लिए संयुक्त बाढ़ प्रबंधन अध्ययन” के लिए 06 अगस्त 2023 के कार्यालय जापन के जरिए एक समिति गठित की। सीडब्ल्यूसी के अध्यक्ष और हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और अन्य विशेषज्ञ संगठनों के सदस्यों की अध्यक्षता वाली समिति ने मौसम संबंधी पहलुओं, बाढ़ की वापसी अवधि, बैराजों की निर्वहन क्षमता, आईटीओ बैराज की कार्यात्मक आवश्यकता आदि की जांच की। 9 जुलाई से 13 जुलाई, 2023 के दौरान होने वाली बारिश की पहचान, दिल्ली और यमुना नदी की पहुंच के साथ अन्य स्थानों में अत्यधिक बाढ़ के प्रमुख कारणों में से एक के रूप में की गई। रिपोर्ट के मुख्य निष्कर्ष/सिफारिशों में विभिन्न बाढ़ वापसी अवधि के लिए जलमग्न क्षेत्रों और जल स्तरों की पहचान, सुधारात्मक कार्रवाई के लिए तटबंध ओवरटॉपिंग क्षेत्रों की पहचान, सुधारात्मक कार्रवाई के लिए बाढ़ वापसी की विभिन्न अवधि के दौरान जमाव से अवरुद्ध नालों की पहचान, बाढ़ के दौरान आईटीओ बैराज के सभी गेटों को खुली स्थिति में संचालित करना, यमुना नदी में अतिक्रमण और अस्थायी संरचनाओं को हटाना, बैराज के संचालन और रखरखाव मैनुअल/ कोडल प्रावधानों के अनुसार बैराज में स्थापित हाइड्रोलिक गेटों, स्टॉप लॉग और उत्थापक उपकरणों का नियमित रखरखाव/ओवरहालिंग शामिल है।